

# जगत् और जैनदर्शन

25  
40/2001-02



東京外国語大学図書館



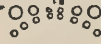
0000523353

मूल लेखक—

विजयेन्द्रसूरि

53

# जगत् और जैनदर्शन



लेखक—

विद्यावल्लभ हिन्दीविनोद इतिहासतत्त्वमहोदधि-

जैनाचार्य-विजयेन्द्रसूरि

C. M. O. I. P.

東京外国語大学  
図書館蔵書

523353

平成 14 年度

अनुवादक—

व्याख्यानदिवाकर विद्याभूषण

पंडित हीरालाल दूगड़ ( स्नातक )

वन्ध

ठ

साद्यं त

र्शनियों

ई सरल

अलग

ो उप-

बहुत

अधिक

या है ।